21 वर्षीय एलेक्जेंड्रा ईला ने विंबलडन में रचा इतिहास

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

आमिर खान की सादगी वाली तीसरी शादी

Page-05

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अस्पताल में भर्ती

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शनिवार को ठाणे स्थित जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से उन्हें हल्का बुखार, शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान की शिकायत थी। चिकित्सकों की सलाह पर एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां उनका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उनकी स्थिति स्थिर है और किसी गंभीर बीमारी की पुष्टि नहीं हुई है।डॉक्टरों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार रक्त जांच, हृदय संबंधी परीक्षण तथा अन्य आवश्यक चिकित्सकीय जांच की जा रही हैं ताकि स्वास्थ्य संबंधी किसी संभावित समस्या का समय रहते पता लगाया जा सके। चिकित्सकों ने फिलहाल उन्हें पूर्ण आराम की सलाह दी है और कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल न होने की भी सिफारिश की है।एकनाथ शिंदे के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आते ही राजनीतिक हलकों में उनकी सेहत को लेकर चर्चा शुरू हो गई। शिवसेना के नेताओं और समर्थकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। पार्टी नेताओं ने बताया कि उपमुख्यमंत्री लगातार व्यस्त कार्यक्रमों और विभिन्न प्रशासनिक बैठकों में भाग ले रहे थे, जिसके कारण उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिल पाया था। चिकित्सकों का मानना है कि अत्यधिक काम के दबाव और थकान के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हुआ है। महाराष्ट्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उपमुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में भी सभी प्रशासनिक कार्य सामान्य रूप से जारी रहेंगे।

भूटान ने E20 पेट्रोल प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

तकनीकी कारणों का दिया हवाला

भारत की महत्वाकांक्षी ई-20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) नीति को लेकर पड़ोसी देश भूटान ने तकनीकी चिंताओं के आधार पर फिलहाल इसे अपनाने से इनकार कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भूटान ने भारतीय तेल कंपनियों से कहा है कि जब तक सामान्य पेट्रोल की आपूर्ति उपलब्ध है, तब तक उसे वही ईंधन उपलब्ध कराया जाए। भूटान का कहना है कि उसके यहां बड़ी संख्या में पुराने वाहन चल रहे हैं, जिनके इंजन ई-20 ईंधन के अनुकूल नहीं हैं।रिपोर्टों के अनुसार भूटान को आशंका है कि अधिक एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन के उपयोग से पुराने वाहनों के इंजन और ईंधन प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित सर्विस नेटवर्क को देखते हुए सरकार फिलहाल किसी भी तकनीकी जोखिम से बचना चाहती है। इसलिए उसने भारतीय तेल विपणन कंपनियों से पारंपरिक पेट्रोल की आपूर्ति जारी रखने का अनुरोध किया है।भारत ने हाल के वर्षों में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की नीति अपनाई है। इसका उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, किसानों को अतिरिक्त आय उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है। देश में नए वाहनों को धीरे-धीरे ई-20 ईंधन के अनुकूल बनाया जा रहा है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि विभिन्न देशों की वाहन संरचना और तकनीकी आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं। ऐसे में किसी भी वैकल्पिक ईंधन नीति को लागू करते समय स्थानीय परिस्थितियों का ध्यान रखना आवश्यक है। भूटान का निर्णय भी उसी दृष्टिकोण का हिस्सा माना जा रहा है।फिलहाल भारत और भूटान के बीच ऊर्जा सहयोग पहले की तरह जारी है। दोनों देशों के अधिकारी इस विषय पर तकनीकी स्तर पर बातचीत कर रहे हैं ताकि भविष्य में दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित समाधान निकाला जा सके।

केतन अग्रवाल हत्याकांड: डिलीट चैट से मिले नए सुराग

दिल्ली के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में पुलिस को एक महत्वपूर्ण सुराग मिला है। जांच एजेंसियों ने मुख्य आरोपी सिया गोयल के मोबाइल फोन से डिलीट की गई चैट रिकवर की है, जिसमें कथित तौर पर शादी और यात्रा की योजना के लिए आधार कार्ड मांगने का उल्लेख मिला है। पुलिस का मानना है कि इन चैट से मामले की साजिश और घटनाक्रम को समझने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।जांच अधिकारियों के अनुसार डिजिटल फॉरेंसिक जांच के दौरान मोबाइल से कई हटाए गए संदेश, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इनमें एक बातचीत में आधार कार्ड की मांग का जिक्र सामने आया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आधार कार्ड का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाना था और उसका हत्या की साजिश से कोई संबंध था या नहीं। इसी आधार पर कई लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले की जांच अब केवल हत्या तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे की पूरी साजिश, आर्थिक लेनदेन और डिजिटल गतिविधियों की भी गहन जांच की जा रही है। विशेषज्ञों की सहायता से मोबाइल डेटा, बैंक रिकॉर्ड, लोकेशन हिस्ट्री और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। जांच एजेंसियों का मानना है कि डिजिटल साक्ष्य इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस बहुचर्चित हत्याकांड ने पहले ही लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

आतंकवाद पर केंद्र का बड़ा प्रहार

यूएपीए के तहत 23 पाकिस्तान स्थित आतंकवादी घोषित

जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से संचालित आतंकवादी गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत पाकिस्तान में सक्रिय 23 आतंकियों को आधिकारिक रूप से 'आतंकवादी' घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार ये सभी व्यक्ति लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं और भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।सरकार के अनुसार सूची में शामिल आतंकियों पर जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की भर्ती, सीमा पार से घुसपैठ, ड्रोन के माध्यम से हथियार और विस्फोटक पहुंचाने, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा आतंकी हमलों की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि इन व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित करने का उद्देश्य उनकी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना, उनकी संपत्तियों पर कार्रवाई करना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को मजबूत करना है।सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के वर्षों में आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ ड्रोन, डिजिटल नेटवर्क और सोशल मीडिया का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में इन संगठनों के प्रमुख संचालकों और सहयोगियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है। गृह मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति आगे भी जारी रहेगी। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यूएपीए के तहत किसी व्यक्ति को आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद उसके वित्तीय लेनदेन, संपत्तियों और अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों पर निगरानी और कानूनी कार्रवाई का दायरा काफी बढ़ जाता है। इससे आतंकवादी नेटवर्क को आर्थिक और रणनीतिक रूप से कमजोर करने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने दोहराया है कि देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा और आतंकवाद के खिलाफ हर आवश्यक कदम लगातार उठाए जाते रहेंगे।

अभिनेता रवि मोहन के घर लाखों की चोरी, निजी ड्राइवर गिरफ्तार

तमिल फिल्म उद्योग के प्रसिद्ध अभिनेता रवि मोहन (जयम रवि) के चेन्नई स्थित आवास पर चोरी का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने उनके निजी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभिनेता के घर से नकदी और कीमती आभूषण चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान संदेह के आधार पर ड्राइवर से पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 2.5 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। हालांकि अभिनेता के घर से गायब हुआ करीब 10 लाख रुपये मूल्य का हीरे का हार अभी तक बरामद नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है और चोरी किए गए अन्य सामान की बरामदगी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।जांच अधिकारियों के अनुसार घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मोबाइल फोन की लोकेशन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इस वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका थी या आरोपी ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद अभिनेता रवि मोहन के प्रशंसकों में भी चिंता का माहौल है। हालांकि अभिनेता या उनके परिवार की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि फरार सामान की जल्द बरामदगी के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2- 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

अयोध्या के बाद बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में दान विवाद

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान के कथित गबन को लेकर देशभर में चल रही चर्चा के बीच अब उत्तराखंड के प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम से भी दान के कथित दुरूपयोग का मामला सामने आने के बाद हलचल मच गई है। सोशल मीडिया पर मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे के कथित गलत इस्तेमाल से जुड़े दावे वायरल होने के बाद श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। समिति ने स्पष्ट किया है कि आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई गई तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे दावों और शिकायतों की तथ्यात्मक जांच शुरू कर दी गई है। इसके लिए संबंधित अभिलेखों, दान रजिस्टरों और वित्तीय लेनदेन की समीक्षा की जाएगी। जांच प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपुष्ट

जानकारी पर विश्वास न करें और आधिकारिक जांच रिपोर्ट का इंतजार करें।बद्रीनाथ और केदारनाथ देश के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल हैं, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और बड़ी मात्रा में दान अर्पित करते हैं। ऐसे में दान राशि के प्रबंधन को लेकर उठे सवालों ने धार्मिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता और नियमित ऑडिट व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत होता है। उत्तराखंड सरकार ने भी संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यकता पड़ी तो जांच के दायरे को और विस्तृत किया जाएगा। फिलहाल मंदिर समिति सभी संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण कर रही है और जल्द ही प्रारंभिक रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है। समिति का कहना है कि मंदिर की प्रतिष्ठा और श्रद्धालुओं के विश्वास से कोई समझौता नहीं किया जाएगा तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से पूरी की जाएगी।

ईरान में अयातुल्ला अली ख़ामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरुआत, लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़ ईरान के लिए राजनीतिक संदेश का माध्यम भी है। आने वाले दिनों में नए नेतृत्व की घोषणा और क्षेत्रीय कूटनीति में होने वाले बदलावों पर वैश्विक समुदाय की निगाहें टिकी रहेंगी।

ईरान में शनिवार से देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई के अंतिम संस्कार की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो गई। राजधानी तेहरान में आयोजित पहले चरण के समारोह में लाखों लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। ईरानी सरकार ने छह दिनों तक चलने वाले राष्ट्रीय शोक कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसके तहत तेहरान सहित कई प्रमुख शहरों में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी। अंतिम संस्कार का समापन मशहद में दफन के साथ होगा। समारोह के दौरान पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और बड़ी संख्या में सैन्य व सुरक्षा बल तैनात किए गए हैंईरानी नेतृत्व ने इस अवसर को राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता का प्रतीक बताते हुए कहा कि देश किसी भी बाहरी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। अंतिम दर्शन के दौरान हजारों लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज और धार्मिक प्रतीकों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। कई देशों के प्रतिनिधिमंडल भी समारोह में शामिल हुए, जिनमें रुस, चीन, पाकिस्तान, इराक और तुर्किये के अधिकारी प्रमुख रहे। सरकार का कहना है कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि ईरान की राजनीतिक और वैचारिक एकजुटता का भी संदेश है।ख़ामेनेई की मृत्यु के बाद मध्य-पूर्व की राजनीति में नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनके उत्तराधिकारी के चयन के साथ ही ईरान की घरेलू और विदेश नीति की दिशा पर भी असर पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से जारी तनाव, अमेरिका और इज़राइल के साथ संबंध तथा परमाणु कार्यक्रम जैसे मुद्दों पर दुनिया की नजर बनी हुई है। इस बीच ईरान ने दोहराया है कि वह अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़ ईरान के लिए राजनीतिक संदेश का माध्यम भी है। आने वाले दिनों में नए नेतृत्व की घोषणा और क्षेत्रीय कूटनीति में होने वाले बदलावों पर वैश्विक समुदाय की निगाहें टिकी रहेंगी। पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत ने खोल दिए चीन के लिए दरवाजे

भारत और चीन के रिश्तों से जुड़ी एक बेहद अहम खबर इस वक्त सामने आ रही है जो इसी ओर इशारा करती है कि भारत और चीन के संबंध अब बेहतर होते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि केंद्र सरकार ने चार चीनी मूल की कंपनियों को भारत की सरकारी बिजली परियोजनाओं में बोली लगाने की अनुमति दे दी है। हालांकि यह मंजूरी कुछ खास शर्तों के साथ और सीमित समय के लिए दी गई है। लेकिन इसे बेहद बड़ा कदम माना जा रहा है। क्योंकि साल 2020 में गलवान घाटी की झड़प के बाद से ही भारत सरकार ने चीनी मूल की कंपनियों को भारत के सरकारी परियोजनाओं में टेंडर डालने के लिए एक विशेष तरीके के पैनल में रजिस्ट्रेशन कराने की प्रक्रिया लाई थी। जिसके बाद उन्हें राजनीतिक और सुरक्षा मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया गया था। लेकिन अब चीन की इन चार कंपनियों को इससे छूट दे दी गई है। वित्त मंत्रालय के 24 जून के आदेश के मुताबिक TV एनर्जी नजिंग इलेक्ट्रिक इंडिया, न्यू नर्थ ईस्ट इलेक्ट्रिक इंडिया, यह वो चार चीनी कंपनियां हैं जो अब सरकारी टेंडर में हिस्सा ले पाएंगी। सरकार के इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह भारत की तेजी से बढ़ती हुई बिजली की जरूरत को देखा जा रहा है। जहां देश में लगातार नए ट्रांसमिशन नेटवर्क बनाए जा रहे हैं। ताकि बढ़ती बिजली मांग को पूरा किया जा सके और सोलर एंड विंड एनर्जी जैसी रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं को भी राष्ट्रीय ग्रिड के साथ जोड़ा जा सके। ऐसे में सरकार को बड़े पैमाने पर पावर इक्विपमेंट की जरूरत है और इसलिए चीनी कंपनियां भी भारतीय बाजार में अब आ रही हैं।

लद्दाख के पर्यावरण संरक्षण को नई मजबूती इकोसिस्टम की रक्षा के लिए 100 पूर्व सैनिकों की तैनाती

यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन हमला किया
मिग-29 लड़ाकू विमान पर बमबारी की

यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन हमला किया और मिग-29 लड़ाकू विमान पर बमबारी की । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन की इंटेलिजेंस ने क्रीमिया के बेल्बेक एयरबेस पर ड्रोन हमले से रूस के मिग-29 जेट नष्ट कर दिया। हमले में एक एयरफील्ड लॉन्च व्हीकल भी तबाह हो गया, जो हमले के समय उस विमान की सर्विसिंग कर रहा था। जीयूआर ने हमले का एक्सक्लूसिव फुटेज जारी किया और रूस को करोड़ों डॉलर नुकसान होने का अनुमान लगाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला अधिकृत क्रीमिया के काचा हवाई अड्डे पर हुआ। यूक्रेन की रक्षा खुफिया विभाग की प्राथमिक विशेष बल इकाई ने इस हमले को अंजाम दिया। रात को प्रिमरी ने अस्थायी रूप से कब्जे वाले सिम्फरोपोल के पास स्थित इरतीश हवाई अड्डे के रडार सिस्टम को भी निशाना बनाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डीआईयू ने कहा, 'डीआईयू के विशेष बल अस्थायी रूप से कब्जे वाले प्रायद्वीप पर मॉस्कोवासियों की हवाई रक्षा प्रणाली को व्यवस्थित रूप से कमजोर करना जारी रखे हुए हैं, रडार, विमान-रोधी प्रणालियों और अब लड़ाकू विमानों को नष्ट कर रहे हैं। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब यूक्रेनी रक्षा बलों ने क्रीमिया में मिग-29 लड़ाकू विमानों को नष्ट किया है। मई 2024 में, यूक्रेनी सेना ने बेलबेक हवाई अड्डे पर एटीएसीएमएस मिसाइल से हमला किया , जो मिग-31, सु-27 और मिग-29 विमानों का अड्डा था। इससे पहले 2025 में, क्रीमिया में रूसी ठिकानों पर हमला करने के लिए लंबी दूरी के स्ट्राइक ड्रोन का सक्रिय रूप से उपयोग किया गया था।

इज़राइल के प्रधानमंत्री के ऑफ़िस ने कहा- 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की ताज़ा ख़बर फ़ेक न्यूज़

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफ़िस ने उस ख़बर को खारिज कर दिया है जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिकी अधिकारियों को डर था कि इज़राइल ने इस साल की शुरूआत में इस्लामाबाद में हुई बातचीत के दौरान ईरान के सीनियर बातचीत करने वालों को निशाना बनाया होगा। शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में इज़राइल के प्रधानमंत्री के ऑफ़िस ने कहा, हमेशा की तरह, इज़राइल और ईरान के बातचीत करने वालों के बारे में 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की ताज़ा ख़बर फ़ेक न्यूज़ है। यह असलियत से पूरी तरह अलग और मनगढ़ंत बात है। टाइम्स ऑफ़ इज़राइल की NYT न्यूज़ रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में बातचीत (इस्लामाबाद टॉक्स) के दौरान U S अधिकारियों ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ़ को कथित तौर पर इनडायरेक्ट वॉर्निंग दी थी कि इज़राइल उनकी हत्या की कोशिश कर सकता है। US मीडिया रिपोर्ट में, मौजूदा और पुराने US अधिकारियों का हवाला देते हुए, आगे आरोप लगाया गया कि कुछ US अधिकारियों का मानना था कि इज़राइल 8 अप्रैल को हुए सीज़फ़ायर के बाद के हफ़्तों में ईरान के दो सीनियर बातचीत करने वालों को निशाना बनाने की योजना बना रहा होगा, जिससे ईरान के साथ US-इज़राइल संघर्ष में लड़ाई रुक गई थी। इसमें यह भी दावा किया गया कि इन चिंताओं के कारण, US अधिकारियों ने पूरे इलाके के दूसरे देशों में अपने समकक्षों से तेहरान को चेतावनी देने के लिए कहा कि इज़राइल अराघची और ग़ालिबफ़ को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है। जवाब में, इज़राइली प्रधानमंत्री के ऑफ़िस ने शुक्रवार को इस रिपोर्ट को साफ़ तौर पर खारिज कर दिया। अल जज़ीरा ने बताया कि इज़राइल पर पहले भी इलाके के संघर्षों में बातचीत करने वाले समकक्षों को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया है।

'ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दीजिए',गर्मी से बचा देंगे

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच ईरान ने यूरोपीय देशों से उस पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने की अपील की है। ईरान का कहना है कि अगर उसके ऊपर से बैन हटाया जाता है तो वह यूरोप को बड़ी संख्या में एयर कंडीशनर और अन्य कूलिंग उपकरण निर्यात कर सकता है, जिससे गर्मी से लोगों की जान बचाने में मदद मिलेगी। ईरान ने कहा है कि उसने स्वदेशी तकनीक के जरिए एयर कंडीशनर बनाए हैं और वह मौजूदा हालात में मदद करने के लिए तैयार है। दूतावास ने आगे कहा, 'अच्छी खबर यह है कि वर्षों से प्रतिबंध झेलने के बावजूद ईरान ने स्वदेशी तकनीक के जरिए अपने एयर कंडीशनर विकसित और तैयार किए हैं। हमारे पास तकनीकी विशेषज्ञता है, उत्पादन क्षमता है और हम मदद करने के लिए तैयार हैं, अगर यूरोप खुद अपनी मदद करने के लिए तैयार है।' इस बीच, पूरे यूरोप में भीषण गर्मी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। शुरुआती गर्मियों में आई तेज हीटवेव के कारण कई देशों में लोग बीमार पड़ रहे हैं, मौतें हो रही हैं और बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है।रविवार को जर्मनी, चेक गणराज्य और पोलैंड में तापमान 40

डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हुई। वहीं फ्रांस में कई दिनों तक औसत तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि एक शहर में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके बाद आए तूफानों के बीच अनुमान है कि भीषण गर्मी के कारण करीब 1000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई। लोगों का कहना है कि उन्होंने पिछले कई सालों में इस तरह की गर्मी का सामना कभी नहीं किया। WWA के मुताबिक, जून 1976 की हीटवेव मौजूदा स्थिति की तुलना में लगभग 3.5 डिग्री सेल्सियस ठंडी थी। वहीं 2003 की भीषण गर्मी भी वर्तमान तापमान से करीब 2 डिग्री सेल्सियस कम थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार अत्यधिक गर्मी की तत्काल वजह एक स्थिर उच्च वायुदाब प्रणाली या हीट डोम है। यह प्रणाली गर्म हवा को एक ही क्षेत्र में कई दिनों या कई सप्ताह तक फंसा कर रखती है, जिससे तापमान लगातार बहुत अधिक बना रहता है और भीषण गर्मी की स्थिति पैदा हो जाती है।

संपादक की कलम से

देश में आधारभूत ढांचे के विकास को लेकर एक बार फिर बड़ा संदेश सामने आया है। प्रधानमंत्री द्वारा राजस्थान और गुजरात में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास केवल दो राज्यों तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि यह भारत की विकास रणनीति का संकेत भी है। सड़क, रेल, ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, मेट्रो और हवाई अड्डों जैसी परियोजनाएं किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती हैं। यदि इनका समय पर और प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हो, तो रोजगार सृजन, निवेश और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलती है।पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय में लगातार वृद्धि की है। इसका असर राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे आधुनिकीकरण, बंदरगाहों और ऊर्जा क्षेत्र में दिखाई भी दे रहा है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह निवेश आवश्यक है, क्योंकि बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योगों की लागत घटती है, व्यापार बढ़ता है और आम नागरिकों का जीवन भी आसान होता है।हालांकि केवल परियोजनाओं की घोषणा कर देना ही पर्याप्त नहीं है। देश ने ऐसे अनेक उदाहरण भी देखे हैं, जहां बड़े-बड़े शिलान्यास वर्षों तक अधूरे पड़े रहे या लागत कई गुना बढ़ गई। इसलिए किसी भी परियोजना की वास्तविक सफलता उसके समयबद्ध निर्माण, गुणवत्ता और जनता को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ से तय होती है। सरकार की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि घोषित योजनाएं निर्धारित समय के भीतर पूरी हों और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।विपक्ष का यह दायित्व भी है कि वह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न रहे, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन, पारदर्शिता और वित्तीय जवाबदेही पर रचनात्मक निगरानी रखे। लोकतंत्र में विकास और जवाबदेही एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां सरकार विकास का रोडमैप तैयार करती है, वहीं विपक्ष और स्वतंत्र संस्थाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि सार्वजनिक धन का उपयोग सही दिशा में हो।भारत आज विश्व की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में आधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश भविष्य की आवश्यकता है, लेकिन इसके साथ सुशासन, पारदर्शिता और पर्यावरणीय संतुलन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। विकास का उद्देश्य केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार होना चाहिए।सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि विकास परियोजनाएं चुनावी राजनीति का साधन बनने के बजाय राष्ट्रीय निर्माण का माध्यम बनें। यदि योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे, रोजगार बढ़े और संसाधनों का पारदर्शी उपयोग हो, तभी भारत का विकास मॉडल वास्तव में समावेशी और टिकाऊ कहलाएगा।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से

सरकार और विपक्ष के बीच तीखे टकराव के आसार

सत्र की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सरकार विभिन्न मंत्रालयों के साथ बैठक कर विधायी कार्यसूची को अंतिम रूप देने में जुटी है, जबकि विपक्ष भी अपने साझा एजेंडे को लेकर रणनीति बना रहा है। विपक्षी दल महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, सीमा सुरक्षा, चुनावी प्रक्रिया, राज्यों के अधिकार, कानून-व्यवस्था और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं।

केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने संकेत दिया है कि इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे और आर्थिक, प्रशासनिक तथा सुधार संबंधी विषयों पर व्यापक चर्चा होगी।सत्र की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सरकार विभिन्न मंत्रालयों के साथ बैठक कर विधायी कार्यसूची को अंतिम रूप देने में जुटी है, जबकि विपक्ष भी अपने साझा एजेंडे को लेकर रणनीति बना रहा है। विपक्षी दल महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, सीमा सुरक्षा, चुनावी प्रक्रिया, राज्यों के अधिकार, कानून-व्यवस्था और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं।संसदीय कार्य मंत्रालय का कहना है कि सरकार सभी दलों के सहयोग से सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहती है। इसके लिए सर्वदलीय बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों से सुझाव लिए जाएंगे। सरकार का दावा है कि वह हर महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को भी रचनात्मक सहयोग देना चाहिए।दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि संसद केवल विधेयक पारित करने का मंच नहीं, बल्कि सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने का सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान है। विपक्षी नेताओं ने संकेत दिए हैं कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा और जवाब मांगने के लिए वे सदन में पूरी ताकत से अपनी बात रखेंगे।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी मानसून सत्र कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहेगा। विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनावों, आर्थिक नीतियों, अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम और प्रशासनिक फैसलों का प्रभाव भी संसद की बहसों में दिखाई दे सकता है। ऐसे में सरकार और विपक्ष दोनों के लिए यह सत्र अपनी राजनीतिक रणनीति प्रस्तुत करने का बड़ा अवसर होगा।संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही को लेकर सुरक्षा, डिजिटल व्यवस्थाओं और संसदीय प्रक्रियाओं की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। संसदीय समितियों की बैठकों का कार्यक्रम भी इसी अवधि में तय किया जाएगा, ताकि विभिन्न मंत्रालयों और विधेयकों पर विस्तार से विचार-विमर्श हो सके।अब देश की निगाहें 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र पर रहेंगी, जहां सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने का प्रयास करेगी, जबकि विपक्ष जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर सरकार को घेरने की रणनीति अपनाएगा। "विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून सत्र में होने वाली चर्चाएं और लिए जाने वाले निर्णय देश की आर्थिक एवं राजनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही, संसद की कार्यवाही पर आम जनता, उद्योग जगत और विभिन्न सामाजिक संगठनों की भी करीबी नजर बनी रहेगी।"

टीएमसी को बड़ा झटका, चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सभी संगठनात्मक पदों से दिया इस्तीफा

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को भेजते हुए न केवल प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ा, बल्कि पार्टी की बैंक खातों की अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता और निर्वाचन आयोग के समक्ष पार्टी की अधिकृत प्रतिनिधि जैसी जिम्मेदारियों से भी स्वयं को अलग कर लिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब हालिया विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद टीएमसी संगठनात्मक चुनौतियों और अंदरूनी खींचतान से जूझ रही है।अपने इस्तीफे के बाद चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि उनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में काम जारी रखना कठिन हो गया था। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी नेतृत्व का उन पर पहले जैसा भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी निष्ठा हमेशा तृणमूल कांग्रेस और उसके सिद्धांतों के प्रति बनी रहेगी। दूसरी ओर, पार्टी नेतृत्व ने उनके इस्तीफे को "पूर्व-नियोजित कदम" बताते हुए कहा कि संगठन अपने स्तर पर आगे की रणनीति तय करेगा।राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद पार्टी पहले ही संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया में थी। ऐसे समय प्रदेश अध्यक्ष का अचानक पद छोड़ना पार्टी के भीतर बढ़ती असहमति और नेतृत्व संकट की ओर संकेत माना जा रहा है। विपक्षी दलों ने भी इस घटनाक्रम को टीएमसी में बढ़ते आंतरिक असंतोष का प्रमाण बताते हुए ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं।विश्लेषकों का मानना है कि चंद्रिमा भट्टाचार्य का इस्तीफा केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में आगे होने वाले बड़े घटनाक्रमों की भूमिका भी बन सकता है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी नया प्रदेश अध्यक्ष किसे बनाती है और बढ़ते संगठनात्मक संकट से उबरने के लिए क्या रणनीति अपनाती है। आने वाले दिनों में टीएमसी की राजनीतिक दिशा और संगठनात्मक मजबूती की वास्तविक परीक्षा होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान-गुजरात को दी ₹1.06 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान और गुजरात के दौरे के दौरान देश के बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र को नई गति देने वाली एक लाख छह हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, मेट्रो, बिजली संचरण और विमानन क्षेत्र से जुड़े कई बड़े कार्य शामिल हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और दोनों राज्यों की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।राजस्थान में प्रधानमंत्री ने पचपदरा स्थित ग्रीनफील्ड रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित किया, जिसे देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परियोजनाओं में माना जा रहा है। इसके अलावा जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास, नई रेलवे लाइन के दोहरीकरण, आधुनिक विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क और जोधपुर के नए हवाई अड्डा टर्मिनल का उद्घाटन भी किया गया। सरकार का दावा है कि इन परियोजनाओं से राज्य में निवेश, उद्योग और पर्यटन को नई गति मिलेगी।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का लक्ष्य आधुनिक आधारभूत ढांचा तैयार कर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, परिवहन और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हो रहे निवेश से देश की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी और युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने राज्यों के संतुलित विकास को केंद्र सरकार की प्राथमिकता बताया।राजनीतिक दृष्टि से भी प्रधानमंत्री का यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजस्थान और गुजरात दोनों राज्यों में विकास परियोजनाओं के माध्यम से केंद्र सरकार ने विकास के एजेंडे को प्रमुखता देने का प्रयास किया है। विपक्ष ने जहां इन घोषणाओं के समय और राजनीतिक महत्व पर सवाल उठाए हैं, वहीं भाजपा ने इसे विकास के प्रति

सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया है।विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से पश्चिम भारत में औद्योगिक गतिविधियों, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। आगामी महीनों में इन परियोजनाओं की प्रगति और उनके आर्थिक प्रभाव पर सभी की नजर रहेगी।

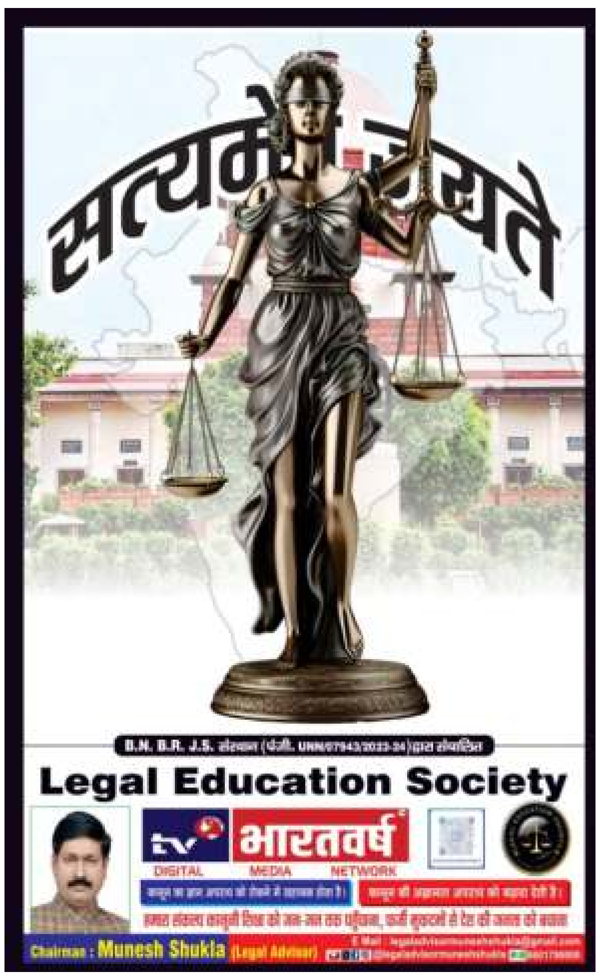

EPFO पोर्टल का बड़ा अपग्रेड, UAN सेवाएं अब सिर्फ UMANG ऐप पर

PF खाताधारकों के लिए बदले कई नियम

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने लगभग एक सप्ताह तक चले निर्धारित तकनीकी अपग्रेड के बाद अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए स्वरूप में फिर से शुरू कर दिया है। सॉफ्टवेयर और डेटाबेस के व्यापक आधुनिकीकरण के बाद पोर्टल का इंटरफेस पूरी तरह बदल गया है। इसके साथ ही ईपीएफओ ने अपनी कई डिजिटल सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिनका सीधा असर देशभर के करोड़ों पीएफ खाताधारकों पर पड़ेगा। संगठन का कहना है कि इन परिवर्तनों का उद्देश्य ऑनलाइन सेवाओं को अधिक सुरक्षित, तेज और पारदर्शी बनाना है। सबसे बड़ा बदलाव यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) से जुड़ी सेवाओं में किया गया है। अब EPFO की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से न तो UAN एक्टिवेट किया जा सकेगा और न ही नया UAN जनरेट किया जा सकेगा। इन दोनों सुविधाओं को पूरी तरह भारत सरकार के UMANG (Unified Mobile Application for New-age Governance) ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके साथ ही सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया गया है। ईपीएफओ का मानना है कि इससे पहचान सत्यापन अधिक सुरक्षित होगा और फर्जीवाड़े की संभावनाएं कम होंगी।नए सिस्टम के तहत यदि किसी कर्मचारी का UAN अभी तक सक्रिय नहीं है या नया UAN बनवाना है, तो उसे UMANG ऐप में जाकर EPFO Services सेक्शन के 'UAN Allotment and Activation' विकल्प का उपयोग करना होगा। यहां आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन पूरा करने के बाद आवश्यक जानकारी भरकर UAN सक्रिय या नया UAN प्राप्त किया जा सकेगा। जिन कर्मचारियों का पीएफ खाता पहले से है लेकिन उन्हें अभी तक UAN आवंटित नहीं हुआ है, वे भी UMANG ऐप के माध्यम से अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर सत्यापित कर नया UAN प्राप्त कर सकते हैं। नया UAN उनके मौजूदा पीएफ खाते से स्वतः लिंक कर दिया जाएगा।हालांकि UAN से जुड़ी सेवाओं को UMANG ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन 'Know Your UAN' सुविधा को पहले की तुलना में अधिक सरल बनाया गया है। यदि कोई सदस्य अपना UAN भूल जाता है तो वह नए पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर, आवश्यक पहचान दस्तावेज और ओटीपी सत्यापन के माध्यम से आसानी से अपना UAN प्राप्त कर सकेगा। ईपीएफओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि डेथ क्लेम की ऑनलाइन सुविधा पहले की तरह यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेगी। इसके लिए नामांकित व्यक्ति या लाभार्थी के पास आधार से लिंक मोबाइल नंबर, बैंक खाते का विवरण, रद्द चेक या पासबुक की प्रति, सदस्य का मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आवश्यकता अनुसार आयु प्रमाण पत्र होना अनिवार्य होगा। सभी दस्तावेज केवल पीडीएफ प्रारूप में स्वीकार किए जाएंगे और प्रत्येक फाइल का आकार 2 एमबी से कम होना चाहिए। साथ ही फाइल के नाम में किसी प्रकार का स्पेस नहीं होना चाहिए। ईपीएफओ के अनुसार यह अपग्रेड संगठन की डिजिटल सेवाओं को आधुनिक बनाने और डेटाबेस को अधिक मजबूत एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि संगठन ने यह भी स्वीकार किया है कि सिस्टम के स्थिरीकरण की प्रारंभिक दो सप्ताह की अवधि में ऑनलाइन अनुरोधों और क्लेम के निस्तारण में सामान्य से अधिक समय लग सकता है, क्योंकि इस दौरान अतिरिक्त सत्यापन और वैलिडेशन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। ईपीएफओ ने सदस्यों से अपील की है कि वे पीक आवर्स में बार-बार लॉगिन करने या एक ही अनुरोध को कई बार सबमिट करने से बचें, ताकि सिस्टम पर अनावश्यक दबाव न पड़े और सभी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

बिहार के 211 डिग्री कॉलेजों में नहीं शुरू हो सकी पढ़ाई, अधूरी तैयारियां बनीं वजह

बिहार में उच्च शिक्षा व्यवस्था को बड़ा झटका लगा है। राज्य के 211 नए डिग्री कॉलेजों में अधूरी तैयारियों के कारण शैक्षणिक सत्र समय पर शुरू नहीं हो सका। इन कॉलेजों में भवन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, फर्नीचर और शिक्षकों की नियुक्ति जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं पूरी नहीं होने के कारण छात्रों को इंतजार करना पड़ रहा है।राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा का विस्तार करने के उद्देश्य से इन कॉलेजों की स्थापना की थी, लेकिन आवश्यक संसाधनों की कमी के कारण अधिकांश संस्थान अभी पूरी तरह संचालन के लिए तैयार नहीं हैं। इससे हजारों विद्यार्थियों के प्रवेश और नियमित पढ़ाई पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।शिक्षा विभाग का कहना है कि अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। भवन निर्माण, उपकरणों की उपलब्धता और शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है ताकि आगामी सत्र में सभी कॉलेज पूरी क्षमता के साथ संचालित हो सकें।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि केवल नए कॉलेज खोलना पर्याप्त नहीं है। गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए आधारभूत ढांचा, योग्य शिक्षक और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं भी समय पर उपलब्ध कराना जरूरी है। छात्रों और अभिभावकों को उम्मीद है कि सरकार जल्द आवश्यक तैयारियां पूरी कर इन कॉलेजों में नियमित शिक्षण कार्य शुरू कराएगी।

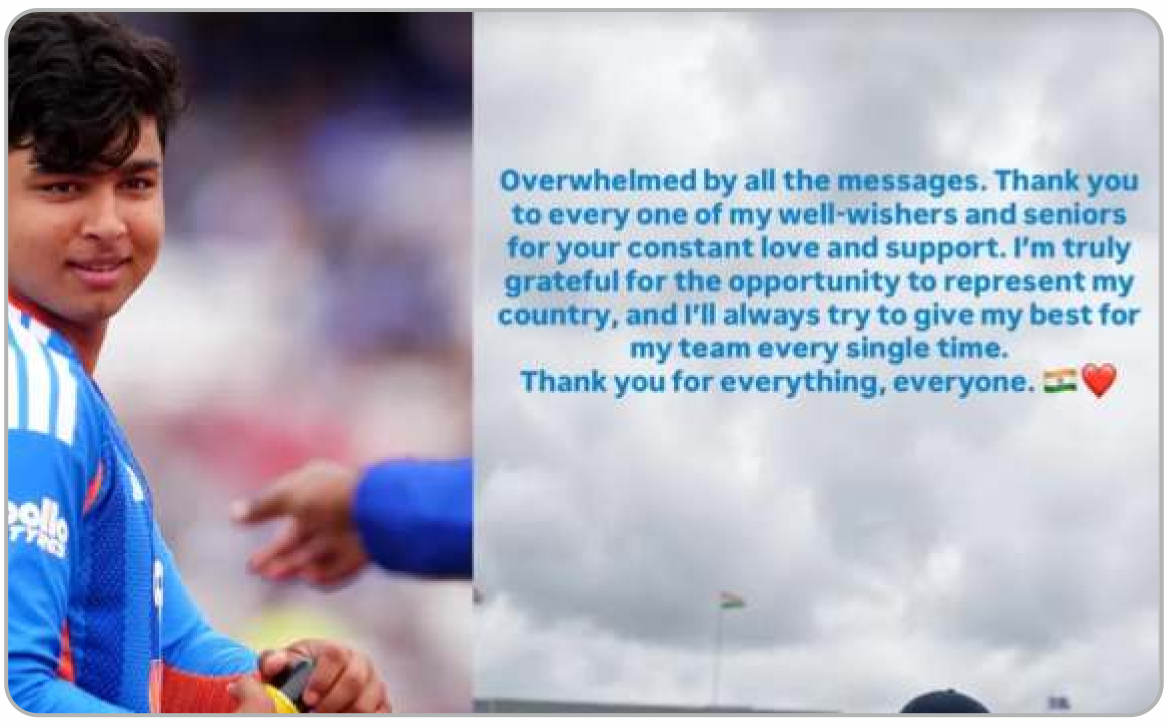

वैभव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया लिखा कि जो सपना देखा था उसे जी रहा हूं

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, भारत के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बने

वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ पहला इंटरनेशनल मैच खेला। वैभव ने शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। शेफाली ने 15 साल 239 दिन और सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेला था। वैभव ने अपनी पहली पारी में 10 गेंदों पर 14 रन बनाए। इसमें दो छक्के शामिल हैं। उन्होंने एक छक्का जोफ्रा आर्चर की गेंद पर और एक छक्का जोश टंग की गेंद पर लगाया। उन्हें विल जैक्स ने स्टंप आउट कराया। मैच से पहले वैभव ने सोशल मीडिया पर भी डेब्यू के संकेत दिए थे। शुक्रवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर अपनी तस्वीर शेयर करते हुए न्यू चैप्टर लिखा था। 23 जून को BCCI की ओर से वैभव को टीम इंडिया की 3 नंबर जर्सी मिली। थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु ने उन्हें जर्सी दी। सूर्यवंशी ने पहले रघु के पैर छूकर प्रणाम किया, फिर जर्सी ली। वैभव को

ICC की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के तहत इंग्लैंड दौरे पर अलग चेंजिंग रूम दिया गया है। उनकी फैमिली को भी टीम होटल में ठहरने की अनुमति मिली है। एक महीने पहले वैभव 15 साल 71 दिन की उम्र में टीम इंडिया के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने थे। उन्होंने इस मामले में शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था। शेफाली पहली बार 15 साल 220 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुनी गई थीं, जबकि सचिन को 16 साल 194 दिन की उम्र में राष्ट्रीय टीम में मौका मिला था।

महिला टी-20 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। मेजबान इंग्लैंड एक बार 2009 में और ऑस्ट्रेलिया 6 बार यह टूर्नामेंट जीत चुकी हैं। खास बात यह है कि दोनों टीमें पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया 6-6 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक 45 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया ने 23 और इंग्लैंड ने 21 मैच जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा है। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों के बीच 7 मुकाबले हुए हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया ने 5 और इंग्लैंड ने 2 मैच जीते हैं। दोनों टीमें चौथी बार वर्ल्ड कप फाइनल में भिड़ेंगी। इससे पहले 2012, 2014 और 2018 के तीनों फाइनल ऑस्ट्रेलिया ने जीते थे। हालांकि, इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले चारों टी-20 इंटरनेशनल जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप स्टेज में साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड, पाकिस्तान और भारत को हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर इंग्लैंड ने श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को हराया। सेमीफाइनल में उसने साउथ अफ्रीका को 40 रन से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया।

21 वर्षीय एलेक्जेंड्रा ईला ने विंबलडन में रचा इतिहास

विंबलडन में शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर 21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला ने डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6 (9), 6-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वे किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। मैच जीतने के बाद ईला कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'अपने देश के लोगों का समर्थन मेरे लिए बेहद खास है। यह जीत मैं अपने परिवार और फिलीपींस की सभी छोटी लड़कियों को समर्पित करती हूं।' 3 साल पहले स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन जीता था। इसके बाद राफेल नडाल एकेडमी गईं थीं। यहीं से ईला ग्रेजुएशन कर रही थी। स्वियातेक ने ईला को सर्टिफिकेट दिया था। स्वियातेक ने अपनी स्पीच में कहा था- जो भी करना, उसमें अपना 100% देना। ईला ने स्वियातेक को दूसरी बार मात दी है। वे पिछले साल मियामी ओपन में भी स्वियातेक को हरा चुकी हैं। आज की जीत के बाद ईला ने कहा- 'स्कूल के बाद रफल्ड मोजे और लाइट वाले जूते पहनकर मैं रोज ट्रेनिंग के लिए जाती थी। आज की यह जीत बचपन की उस छोटी ईला, मेरे परिवार, मेरे देश और उन सभी लड़कियों के नाम है, जो बड़े सपने देखती हैं।' फिलीपींस में बड़ी होने के दौरान ईला के पास ग्रास कोर्ट पर खेलने का विकल्प नहीं था। इसके बजाय वे एक ऐसे कोर्ट का इस्तेमाल करती थीं, जो बास्केटबॉल कोर्ट था। ईला ने कहा, 'वहां बास्केटबॉल हूप्स होते थे, इसलिए मैं ज्यादा पीछे नहीं हट सकती थी। क्योंकि, तब मैं बास्केटबॉल हूप से टकरा जाती।'

सपनों का आशियाना बना मानसिक तनाव का कारण

1.5 करोड़ का घर खरीदने के बाद पछता रहा शख्स

हर इंसान का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो. सालों की मेहनत, सेविंग और भविष्य के सुनहरे सपनों को ध्यान में रखकर लोग बड़ा होम लोन लेते हैं. लेकिन कभी-कभी जिंदगी अचानक ऐसा मोड़ ले लेती है कि वही सपना सबसे बड़ी चिंता बन जाता है. कुछ ऐसा ही हुआ एक व्यक्ति के साथ, जिसने अच्छी कमाई के भरोसे 1.5 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीद लिया, लेकिन कुछ ही समय बाद हालात इतने बदल गए कि अब उसे अपने फैसले पर पछतावा हो रहा है. इस व्यक्ति ने अपनी कहानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर शेयर की. उसने बताया कि करीब एक

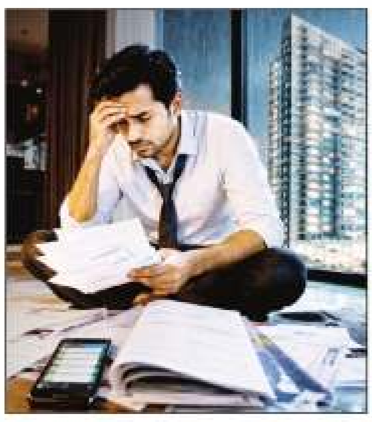

साल पहले, जब उसकी सालाना कमाई लगभग 25 लाख रुपये थी, तब उसने 1.5 करोड़ रुपये का अपार्टमेंट खरीद लिया. उस समय उसे लगा कि उसकी इनकम लगातार बढ़ेगी और वह आराम से होम लोन की ईएमआई चुका पाएगा.

महिला ने शेयर किया अपना अनुभव

भारत से अलग है जर्मनी का जॉब मार्केट

जर्मनी में रहने वाली एक भारतीय महिला ने सोशल मीडिया पर बताया कि वहां नौकरी पाना भारत की तरह आसान नहीं है. उनके अनुसार जर्मनी में कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा नहीं होती और नौकरी के लिए हर उम्मीदवार को खुद आवेदन करना पड़ता है.

काफी ज्यादा कंपटीशन,लैंग्वेज बैरियर और लगातार मिलने वाले रिजेक्शन इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं. हालांकि उन्होंने कहा कि धैर्य और लगातार कोशिश करने वाले लोगों को आखिरकार सफलता जरूर मिलती है.

विदेश में पढ़ाई या नौकरी करने का सपना हर साल हजारों भारतीय छात्र देखते हैं. कई लोगों

को लगता है कि एक बार जर्मनी जैसे विकसित देश पहुंच गए तो अच्छी नौकरी आसानी से मिल जाएगी. लेकिन जर्मनी में रहने वाली भारतीय महिला श्रुति ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि वहां नौकरी पाना बिल्कुल भी आसान नहीं है. उन्होंने बताया कि जर्मनी में भर्ती प्रक्रिया भारत से काफी अलग है और नौकरी पाने के लिए लंबे समय तक धैर्य, मेहनत और लगातार कोशिश करनी पड़ती है. श्रुति ने अपनी पोस्ट की सीरीज का नाम जर्मनी में जॉब कि रियलिटी रखा है.

इराक में नेताओं के घर रेड में नोटों के साथ क्या-क्या मिला

छापे में सोने के अंडरवियर भी मिले?

इराक में एंटी करप्शन कार्रवाई से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है. इसमें दावा किया जा रहा है कि एक इराकी सांसद के घर से तलाशी में सोने के अंडरवियर बरामद हुए.

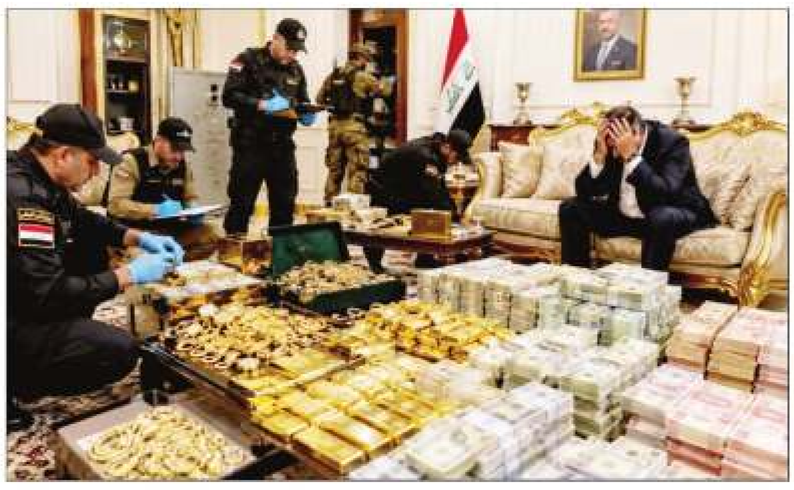

इराक में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत इराकी अधिकारियों और सांसदों के पास से भारी मात्रा में कैश, सोना और देश-विदेश में खरीदे गए संपत्तियों का पता चला है. यह पूरा एंटी करप्शन कैंपेन वहां के तेल शोधन मामलों के पूर्व उप मंत्री अदनान अल- जुमैली के कनफेशन के बाद शुरू किया गया. अल जुमैली को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था. उनके निशानदेही पर ही इराक के तेल मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों और अन्य सांसदों के घर भी छापेमारी की गई.

अब इराक के इस एंटी करप्शन कैंपेन के तहत जब्त की गई संपत्तियों और कैश की तस्वीरें और खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. अब इन वायरल तस्वीरों और खबरों के जरिए दावा किया जा रहा है कि वहां भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में एक सांसद के घर से जब्त किए जा रहे सामान में सोने के अंडरवियर और बिकनी भी मिली है. ऐसी तस्वीरें खूब वायरल हो रही है. ऐसे में चलिए जानते हैं वायरल हो रही इराक से जुड़े इन दावों के पीछे की सच्चाई क्या है? इराक में मंत्रियों और अधिकारियों के घर छापेमारी होने के बाद सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और खबर तेजी से फैली कि वहां दो सांसदों के घर से भारी मात्रा में सोना और कैश मिला है.

अकूत संपत्ति बरामद

चैनल 8 की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा संपत्ति की बरामदगी पिछले महीने गिरफ्तार हुए इराक के पूर्व उप तेल मंत्री अदनान अल-जुमैली के घर से हुई. यहां से सुरक्षा अधिकारियों ने 11 मिलियन डॉलर कैश, 70 प्रॉपर्टी के कागज, 21 गाड़ियां और 3 किलो सोना जब्त किया. वहीं दूसरे सांसद आलिया नसीफ के घर से 15.5 मिलियन कैश और 3 किलो सोना, तेल उप मंत्री अली अल - बहादली के घर से 11 मिलियन डॉलर, लग्जरी घर और गहने बरामद किए.

एक सांसद जिनका नाम हिंद अल-अब्बासी है, उनके घर से तलाशी के दौरान 57 मिलियन डॉलर कैश, 27 किलो सोना और सोने का अंडरवियर बरामद हुआ है.

आंख फड़कने को 'अपशगुन' मान मारे थप्पड़

मध्य चीन में एक अंधविश्वासी व्यक्ति को अपनी फड़कती दाहिनी पलक पर बार-बार थप्पड़ मारना महंगा पड़ा. क्योंकि, ऐसा करने के बाद उसकी रेटिना अलग हो गई. आंख फड़कने से उसे डर था कि यह उसके लिए दुर्भाग्य का अपशगुन लेकर न आए, इसे बंद करने के लिए उसने जोर- जोर से अपनी आंख पर थप्पड़ मारे और ऐसा हुआ कि उसकी आंख की रोशनी ही चली गई. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, दाहिने आंख फड़कने पर इसे अपशगुन समझना एक लोकप्रिय चीनी कहावत से उपजी है.

आमिर की सादगी वाली तीसरी शादी

सना फरज़ीन, आजतक

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर शादी शुदा बंधन में बंधने को तैयार हैं.

61 साल की उम्र में आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से 5 जुलाई को तीसरी शादी करने जा रहे हैं. हालांकि इस बार वो बिना किसी शोर-शराबा या गाजे-बाजे के सिर्फ परिवार की मौजूदगी में मुंबई में ही रस्में अदा करेंगे. आजतक को मिली एक्सक्लुसिव रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर की ये शादी बेहद प्राइवेट होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे. शादी के बाद किसी बड़े बॉलीवुड सेलिब्रेशन या ग्रैंड रिसेप्शन की भी फिलहाल कोई योजना नहीं है. आमिर और गौरी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी का रजिस्ट्रेशन कराएंगे. शादी की फॉर्मैलिटीज पूरी होने के बाद आमिर के घर पर परिवार के बीच एक छोटा-सा जश्न रखा जाएगा. माना जा रहा है कि इसमें बॉलीवुड फ्रेटर्निटी से कोई मेहमान शामिल नहीं होगा. न ही उनके जिगरी दोस्त सलमान खान-शाहरुख खान उनका साथ खड़े दिखाई देंगे.

लखनऊ में बिजली कटौती पर हंगामा, उपकेंद्र में तोड़फोड़ और कर्मचारियों से अभद्रता

भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से नाराज लोगों ने लखनऊ के ऐशबाग पावर हाउस में हंगामा और तोड़फोड़ की। भीड़ ने कंट्रोल रूम में घुसकर बिजली आपूर्ति बाधित कर दी। पुलिस ने मामला शांत कराया। बिजली विभाग ने सरकारी संपत्ति को नुकसान और कर्मचारियों से अभद्रता के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया।

लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती से परेशान लोगों का गुस्सा शुक्रवार देर रात फूट पड़ा। ऐशबाग पावर हाउस पर लगभग 100 लोगों की भीड़ ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। उग्र भीड़ ने मुख्य चैनल गेट तोड़ दिए, कुर्सी-मेज फेंक दी और तोड़ डाला। इस दौरान कुछ लोग जबरन कंट्रोल रूम में घुस गए और सभी 11 केवी फीडरों की बिजली सप्लाई बंद कर दी, मौके पर मौजूद कर्मचारियों से जमकर अभद्रता की। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को मौके से हटाया। बिजली विभाग ने मामले में बाजारखाला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक ऐशबाग उपकेंद्र में बुधवार रात करीब 11:30 बजे 10 एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। इसके बाद रामनगर, भदेवा, शास्त्री नगर, धोबीघाट समेत आसपास के कई इलाकों में रोस्टिंग के जरिए बिजली आपूर्ति की जा रही थी। लगातार कटौती के कारण लोगों को भीषण गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शुक्रवार रात करीब 11:40 बजे 11 केवी फीडर बंद होने से शास्त्री नगर, भदेवा और आसपास के इलाकों में फिर अंधेरा छा गया। स्थानीय लोगों ने उपकेंद्र और टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत की, लेकिन राहत नहीं मिलने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग उपकेंद्र पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। ड्यूटी पर तैनात संविदाकर्मी आनंद वर्मा ने रोकने की कोशिश की तो उनके साथ अभद्रता और हाथापाई की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस, जूनियर इंजीनियर और सहायक अभियंता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हालात पर काबू पाया। बिजली विभाग की ओर से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और कर्मचारियों से अभद्रता करने के आरोप में बाजारखाला थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि खराब ट्रांसफार्मर को बदलने और बिजली आपूर्ति सामान्य करने का काम जारी है, जबकि पुलिस उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

लखनऊ में उमस ने बढ़ाई मुश्किलें, बारिश की भारी कमी से बढ़ी तपिश

लखनऊ में सुबह से हल्के बादल छाए हैं। धूप भी है। इससे जोरदार उमस महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन गर्मी और उमस से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। अधिकतम तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। रात के समय पारा 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। सामान्य से अधिक आर्द्रता और तापमान बढ़ने से हीट इंडेक्स (आभासी तापमान) बढ़ गया है। ऐसे में 38 डिग्री तापमान पर 45 डिग्री तापमान का अनुभव हो रहा है। लखनऊ में 4 जुलाई को 0.4 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकि इस दौरान सामान्य बारिश का औसत 3.9 मिलीमीटर है। यह सामान्य से 89 फीसदी कम है। 1 जून से 1 जुलाई के दौरान लखनऊ में कुल 116.3 मिलीमीटर बारिश हुई है। इस दौरान सामान्य बारिश का औसत 178.7 मिलीमीटर है। यह सामान्य से 35 फीसदी कम है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में तेज और उमस भरी गर्मी परेशान करने वाली है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी (उड़ीसा तट के पास) में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है, जिसकी वजह से मानसून की हवाएं थोड़ा दक्षिण (नीचे) की तरफ खिसक गई हैं। इसके अलावा राज्य में फिलहाल कोई दूसरा मजबूत वेदर सिस्टम एक्टिव नहीं है।

लखनऊ में साहित्यकारों से मिले भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, संस्कृति और साहित्य पर हुई चर्चा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लखनऊ में रविवार को साहित्यकार विद्या बिंदु सिंह के आवास पहुंचे। करीब 11:27 बजे पहुंचे तो हाथ जोड़कर देर से पहुंचने की माफी मांगी। उनके साथ यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी थे। दोनों ने साहित्यकारों का स्वागत हाथ जोड़ते हुए स्वीकार किया। इसके बाद सब लोग अंदर गए। वहां कमरे में 12-15 साहित्यकारों-कलाकारों के साथ करीब 20 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान लोकगायिका मालिनी अवस्थी भी वहीं थीं। विद्या बिंदु सिंह लेखिका हैं। उन्होंने हिंदी और अवधी में 100 से ज्यादा कविताएं, कहानियां, लोकगीत लिखे हैं। सबसे ज्यादा लोकगीत रक्षाबंधन पर हैं। इन्हें 2016 में यूपी सरकार से हिंदी गौरव सम्मान और भारत सरकार से 2022 में पद्म श्री मिला। विद्या बिंदु का जन्म अयोध्या के जैतपुर में हुआ था। आगरा विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एमए किया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में ही पीएचडी की। नितिन नवीन के साथ बातचीत के बाद बाहर निकलीं लोकगायिका मालिनी अवस्थी ने बताया- बहुत ही सहजता के साथ उनके साथ चर्चा हुई। इस बात की मैं प्रशंसा करूंगी कि उन्होंने समय निकाला। साहित्यकार, कलाकारों के साथ हमारी दीदी विद्या बिंदु के घर बैठकी के अंदाज में बातचीत की। उन्होंने बैठकी के दौरान दही-जलेबी भी खाई। लखनऊ के खानपान और संस्कृति पर चर्चा हुई। उन्होंने कोई राजनीतिक बात नहीं की।

800 से अधिक किस्मों से सजा आम महोत्सव, 'मोदी मैंगो' की सबसे ज्यादा चर्चा

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इन दिनों (3, 4 और 5 जुलाई) आम महोत्सव चल रहा है। इसमें आम की 800 से अधिक किस्में मौजूद हैं। आम की प्रदर्शनी के साथ किसानों को खरीदारों, निर्यातकों और नई तकनीकों से जोड़ने का मंच भी है। पहली बार यहां क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, तकनीकी कार्यशाला पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। महोत्सव में आम कई तरह से लोगों को प्रभावित कर रहा है। नाम, रंग, रूप, वजन, खुशबू, जायका और डिमांड ये आम के दाम को को तय कर रहे हैं। इस महोत्सव में 'मोदी मैंगो' नाम की वजह से चर्चा में है। रंग की बात करें तो सेंसेशन आम, वजन में हाथीझूल और राजा वाला आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खुशबू के मामले में 'गुलाब खास' लोगों के लिए बेहद खास है। दाम की बात करें तो अंबिका सबसे महंगा आम है। इसकी कीमत 800 रु प्रति किलो है यानी लगभग बादाम के दाम के बराबर। इसके अलावा थाईलैंड से 'चकापात' आम भी यहां खास बन गया है। ये अब मलिहाबाद में भी तैयार किया जा रहा है। विभाग का आरोप है कि कूटरचना कर फर्जी NOC तैयार कराया गया और उसी के आधार पर बिजली निगम से कनेक्शन ले लिया गया। सहायक निदेशक के मुताबिक, वर्ष 2016 में जारी असली NOC की प्रति, डिस्पैच रजिस्टर की छाया प्रति, बिजली बिल और संबंधित अभिलेख पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। आगे इसी के नियमानुसार कार्रवाई होगी।

इंसाफ की मांग लेकर 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी दिव्यांग बैडमिंटन खिलाड़ी

लखनऊ में शनिवार को एक दिव्यांग खिलाड़ी 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गई। उसका आरोप है कि साथी दिव्यांग खिलाड़ी ने उसके साथ रेप किया है। उसके (आरोपी के) साथ उसकी शादी कराई जाय या फिर रेप की FIR लिखी जाए। पुलिस ने उस दिव्यांग खिलाड़ी को करीब 2 घंटे तक मनाया तब वह नीचे उतरी। मामला पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर का है। बैडमिंटन महिला खिलाड़ी दाहिने हाथ से दिव्यांग है। उसने अपने साथी खिलाड़ी राहुल कुमार वर्मा पर रेप का आरोप लगाया है। उसका पुलिस पर भी आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी पर कार्रवाई नहीं कर रही है। टावर से नीचे उतारने के लिए पुलिस को लिखित आश्वासन देना पड़ा। यह दिव्यांग खिलाड़ी डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। वह पारा क्षेत्र में रहती है। युवती के अनुसार, उसने 26 अप्रैल को अपने सहपाठी राहुल कुमार वर्मा के खिलाफ पारा थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और आरोपी ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। बाद में, जब आरोपी के परिवार ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी, तो उसने छात्रा से विवाह करने से इन्कार कर दिया।

चेकिंग के दौरान बड़ा खुलासा, BMW के लॉकर से मिले 26 लाख रुपये

लखनऊ में हरियाणा नंबर की BMW कार की डिक्की में 26 लाख रुपए मिले हैं। इस पर इंडयोर्ड बाई माफिया लिखा स्टीकर लगा था। इसी के बगल में यूपी विधानसभा पास का स्टीकर लगी स्कॉर्पियो भी खड़ी थी। दोनों गाड़ियों को पुलिस ने सीज कर दिया है। इसके साथ ही दोनों गाड़ियों को अपना बता रहे 19-21 साल के 3 युवकों को हिरासत में लिया है। मामला आशियाना थाना क्षेत्र के किला चौकी इलाके का है। शुक्रवार की रात पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। सोशल पॉइंट नाम के रेस्टोरेंट के बाहर ये दोनों गाड़ियां खड़ी थीं। इनके पास ही 3 युवक थे। पुलिस ने उनसे पूछताछ की। कुछ संदिग्ध लगने पर इनकी गाड़ी की तलाशी भी लेने लगी। तलाशी के दौरान BMW कार की डिक्की में 500-500 रुपए के नोट की गड्डियां दिखीं। पुलिस के अनुसार, चेकिंग अभियान के दौरान काले शीशों वाली हरियाणा नंबर की एक BMW और एक स्कॉर्पियो कार संदिग्ध हालत में खड़ी मिलीं। दोनों गाड़ियों में काली फिल्म वाला शीशा लगा था। ऐसी हालत में दोनों गाड़ियों की जांच की गई। BMW की डिक्की में 26 लाख रुपए नकद मिले। कार के पास मौजूद तीन युवक उस रकम का कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाए। पुलिस ने तुरंत आयकर विभाग की टीम को बुलाया। टीम ने मौके पर पहुंचकर नकदी की जांच की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे गाड़ियां किराये पर उठाते हैं। तलाशी के दौरान BMW की डिक्की में बने लॉकर से 500-500 रुपए के नोटों की 52 गड्डियां, कुल 26 लाख रुपए मिले। दोनों वाहनों के दस्तावेज उपलब्ध न कराने और संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने B M W और स्कॉर्पियो को सीज कर दिया।

पुलिस लाइन में वामा वेलनेस कैंप,

पुलिसकर्मियों और परिजनों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

उन्नाव पुलिस लाइन परिसर में रविवार दोपहर 'वामा वेलनेस कैंप' का आयोजन किया गया। वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया और जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित कीं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना, साथ ही मानसून के दौरान होने वाली बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर का आयोजन वामा सारथी जनपद अध्यक्षा नीतू सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के नेतृत्व में हुआ। वेलनेस कैंप में होम्योपैथी, एलोपैथी और आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे मौसमी संक्रमणों से बचाव के उपाय विस्तार से बताए। चिकित्सकों ने संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित व्यायाम और समय पर चिकित्सीय सलाह लेने पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पुलिसकर्मियों का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए उनका और उनके परिवार का स्वस्थ रहना प्रभावी पुलिस व्यवस्था की आधारशिला है। उन्होंने वामा सारथी द्वारा संचालित जनकल्याणकारी गतिविधियों की सराहना की और ऐसे स्वास्थ्य शिविरों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वामा सारथी जनपद अध्यक्षा नीतू सिंह ने बताया कि संगठन पुलिस परिवारों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरुकता, परामर्श और चिकित्सा सेवाओं से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया, जिससे पुलिस परिवारों को अधिकतम लाभ मिल सके। शिविर में क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह, प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय, उपनिरीक्षक नेक मोहम्मद, पुलिस वेलफेयर शाखा के उपनिरीक्षक विमलेश शुक्ला और आरक्षी अजय कुमार सहित वामा सारथी टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रांस गंगा सिटी के प्रभावित किसानों को 6% विकसित भूमि देने की प्रक्रिया तेज

उन्नाव में ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से प्रभावित किसानों को 6 प्रतिशत विकसित भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशासनिक प्रक्रिया तेज कर दी गई है। शनिवार शाम को शंकरपुर सराय, मनभावन और कनवापुर गांवों के प्रभावित किसानों के अभिलेखों का सत्यापन ट्रांस गंगा सिटी के साइट कार्यालय में किया गया। सत्यापन प्रक्रिया aके दौरान नायब तहसीलदार, संबंधित लेखपाल और यूपीएसआईडीसी के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने किसानों के दस्तावेजों का मिलान किया, जिन किसानों का निधन हो चुका है, उनके वारिसों से उत्तराधिकार संबंधी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि लंबित प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जा सके। विधायक पंकज गुप्ता ने बताया कि ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से प्रभावित किसानों को 6 प्रतिशत विकसित भूमि उपलब्ध कराने का मामला पिछले लगभग 14 वर्षों से लंबित था। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयासों के बाद अब इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। विधायक गुप्ता ने यह भी कहा कि पात्र किसानों का सत्यापन पूरा होने के बाद आगे की औपचारिकताएं भी शीघ्र पूरी की जाएंगी, जिससे वर्षों से अपनी मांग को लेकर इंतजार कर रहे किसानों को राहत मिल सके। अधिकारियों ने किसानों से आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराने और किसी भी त्रुटि की स्थिति में तत्काल जानकारी देने की अपील की। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में किसान मौके पर उपस्थित थे। किसानों ने लंबे समय से लंबित मामले में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उन्हें जल्द ही उनकी विकसित भूमि का अधिकार मिलेगा। किसानों ने विधायक और प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यदि प्रक्रिया इसी गति से आगे बढ़ी तो वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। इस कार्यक्रम में शंकरपुर सराय के ग्राम प्रधान सर्वेश लोधी, किरण निगम, किसान नेता सनोज यादव, पृथ्वी पाल, मिश्रीलाल, संतलाल सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी किसानों को आश्वस्त किया कि सत्यापन कार्य पूर्ण होने के बाद आगे की कार्रवाई जल्द की जाएगी।

उन्नाव में 'ऑपरेशन दहन' के तहत 89.55 किलो मादक पदार्थ नष्ट, कीमत 77 लाख रुपये

उन्नाव में पुलिस ने 'ऑपरेशन दहन' के तहत बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार दोपहर 89.55 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत 77 लाख रुपये है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, यह निस्तारण न्यायालय से प्राप्त आदेशों के अनुपालन में किया गया। ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज 37 मामलों में जब्त मादक पदार्थों को नष्ट कराया। यह कार्रवाई दही थाना क्षेत्र स्थित डी-1 साइट नंबर-1, एओबी प्राइवेट लिमिटेड के बॉयलर (इन्सिनरेटर) में सुरक्षा मानकों और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 85.35 किलोग्राम गांजा, 3.85 किलोग्राम चरस, 100 ग्राम स्मैक और 250 ग्राम मॉर्फिन शामिल थे। इन सभी का कुल वजन 89.55 किलोग्राम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब्त मादक पदार्थों का सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया गया, ताकि इनका दुरूपयोग न हो सके। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया संपन्न हुई। ड्रग डिस्पोजल कमेटी के अन्य सदस्य, संबंधित थाना प्रभारी और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी मौके पर उपस्थित रहे। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी और आवश्यक अभिलेखीय प्रक्रिया भी पूरी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि अवैध मादक पदार्थों की बिक्री या तस्करी की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाने के प्रयासों को प्रभावी बनाया जा सके।

बहू-बेटी सम्मेलन में परिवारों में संवाद और सम्मान बढ़ाने का संदेश

उन्नाव में कोतवाली सदर पुलिस ने रविवार सुबह 'बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल' का आयोजन किया। इसका उद्देश्य परिवारों में बढ़ती दूरियों को कम करना और महिला सम्मान की भावना को मजबूत बनाना था। यह कार्यक्रम थाना कोतवाली सदर के कांसीराम चौकी क्षेत्र स्थित उम्मीदों के शहर प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह ने की। इस अवसर पर प्रभारी परिवार परामर्श समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर, प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्रा, चौकी प्रभारी सभाजीत सिंह चौहान, ग्राम प्रधान संजय, ग्राम रोजगार सेवक प्रेम शंकर और पूर्व सभासद राहुल कश्यप सहित पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सास, बहू, ननद, भाभी, माताएं, बेटियां, छात्राएं और ग्रामीण शामिल हुए। चौपाल को संबोधित करते हुए सीओ सिटी विनी सिंह ने कहा कि परिवार की खुशहाली आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित होती है। उन्होंने महिलाओं को सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 और 108 की जानकारी दी और आवश्यकता पड़ने पर इनका तत्काल उपयोग करने की अपील की।

तालाब में कचरा डंप करने से सैकड़ों मछलियों की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

उन्नाव के आसीवन क्षेत्र में एक निजी तालाब में लगातार कचरा और प्लास्टिक डंप किए जाने से सैकड़ों मछलियां मर गईं। प्रदूषण के कारण तालाब का पानी पूरी तरह दूषित हो गया है, जिससे मछली पालन को भारी नुकसान हुआ है। इस घटना से स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आसीवन तरफ पश्चिम निवासी सैफउर रहमान सफवी ने इस संबंध में प्रशासन को एक शिकायती पत्र सौंपा है। उन्होंने बताया कि उनका निजी तालाब, जिसे स्थानीय रूप से "गढ़हा" कहा जाता है, उसमें वर्षों से मछली पालन किया जा रहा था। आरोप है कि मुजफ्फरपुर सर्रा निवासी दिलीप सिंह पिछले कई दिनों से इस तालाब में बड़ी मात्रा में कचरा, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सामग्री डंप करवा रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस प्रदूषण के कारण तालाब के पानी में ऑक्सीजन का स्तर काफी कम हो गया है। परिणामस्वरूप, तालाब में पाली गई अधिकांश मछलियां और ब्रूडर मछलियां मर गई हैं। बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तालाब में तैर रही हैं, जिससे आसपास के इलाके में तेज दुर्गंध फैल गई है। इस दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय महिला सुनीता ने बताया कि तालाब से उठ रही बदबू के कारण आसपास रहना मुश्किल हो गया है।

उन्नाव के देव सिंह ने राज्य शॉटगन शूटिंग प्रतियोगिता में जीते दो पदक

उन्नाव शहर के युवा निशानेबाज देव सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित 49वीं उत्तर प्रदेश राज्य शॉटगन शूटिंग प्रतियोगिता-2026 में दो पदक जीते हैं। उन्होंने एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित की गई थी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभाशाली निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। देव सिंह ने कड़े मुकाबलों के बीच अपनी सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। देव सिंह ने एस-16 क्ले पिजन डबल ट्रैप शूटिंग (एनआर) पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एस-24 क्ले पिजन ट्रैप शूटिंग (एनआर) पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। अपनी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए देव सिंह ने कहा कि यह तीन वर्षों की लगातार मेहनत, अभ्यास और धैर्य का परिणाम है। उन्होंने इसे अपने लिए एक सपने के सच होने जैसा बताया और कहा कि यह उनके खेल जीवन की सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने आगे कहा, "मैं बेहद खुश हूं कि तीन साल की कड़ी मेहनत रंग लाई। यह सिर्फ शुरुआत है, अभी और ऊंचे लक्ष्य हासिल करने हैं।" देव सिंह ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने कोच, परिवार और मित्रों को दिया। उन्होंने बताया कि कठिन समय में सभी ने उनका हौसला बढ़ाया और उन पर भरोसा बनाए रखा। उन्नाव के खेल जगत से जुड़े लोगों ने उम्मीद जताई है कि देव सिंह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर देश और जिले का नाम रोशन करेंगे।

चंपत राय के समर्थन में अयोध्या के संत इस्तीफा स्वीकार न करने की मांग

आर्य संत वरूण दास महाराज ने कहा कि चंपत राय के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए ही संत समाज ने उनका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि संतों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अपना विचार रखा है क्योंकि राम जन्मभूमि के प्रति चंपत राय की वफादारी पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर मचे बवाल और सियासी घमासान के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को अयोध्या के संतों का साथ मिला है। शनिवार को अयोध्या संत मंडल की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक के बाद संतों ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर चंपत राय का खुलकर समर्थन किया। संतों ने एक सुर में चंपत राय को निर्दोष बताते हुए ट्रस्ट से उनका इस्तीफा किसी भी हालत में स्वीकार न करने की पुरजोर मांग की है। बैठक में मौजूद संतों ने साफ तौर पर कहा कि चंपत राय पर जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं, वे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। संतों का मानना है कि जिन लोगों ने अपना पूरा जीवन राम मंदिर आंदोलन और इसके निर्माण के लिए समर्पित कर दिया उन्हें बिना जांच पूरी हुए इस तरह से कटघरे में खड़ा करना बिल्कुल भी सही नहीं है। इसे एक सोची समझी साजिश करार देते हुए संतों ने कहा कि जल्द ही पूरी सच्चाई देश के सामने आ जाएगी। वैदेही भवन के महंत वैदेही वल्लभ शरण ने चंपत राय का बचाव करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हर एक प्रचारक कईमानदारी, अनुशासन और पूर्ण समर्पण का प्रतीक होता है। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि चंपत राय जैसे निस्वार्थ और समर्पित व्यक्ति पर लगाए जा रहे आरोप कभी टिकने वाले नहीं हैं। वैदेही वल्लभ शरण ने कहा कि ये सिर्फ कुछ दिनों के बादल हैं, जो बहुत जल्द ही छंट जाएंगे। राम कचहरी मंदिर के महंत शशिकांत दास ने अपनी बात रखते हुए कहा कि इस पूरे मामले में चंपत राय को दोषी ठहराना सरासर गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनकी बेदाग छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से जानबूझकर झूठा माहौल बना रहे हैं। इसके साथ ही संत रघवेश दास वेदांती ने कहा कि एसआईटी पूरी मुस्तैदी से अपना काम कर रही है और आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी है। संतों ने भरोसा जताया कि जांच पूरी होते ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। आर्य संत वरूण दास महाराज ने कहा कि चंपत राय के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए ही संत समाज ने उनका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि संतों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अपना विचार रखा है क्योंकि राम जन्मभूमि के प्रति चंपत राय की वफादारी पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता। चंदे में हुई कथित हेराफेरी पर संत ने बताया कि ट्रस्ट की मांग पर ही मुख्यमंत्री ने एसआईटी का गठन किया था। फिलहाल इस मामले की निष्पक्ष जांच चल रही है और जांच रिपोर्ट आते ही पूरी सच्चाई दिन के उजाले की तरह साफ हो जाएगी। अयोध्या के संत समाज ने चंपत राय पर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह झूठा और बेबुनियाद बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। संतों का कहना है कि चंपत राय ने खुद SIT जांच की मांग की यह उनकी ईमानदारी और न्यायप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण है। इसके साथ ही संतों ने मामले में तुरंत SIT टीम का गठन करने के लिए सरकार के त्वरित कदम की भी जमकर सराहना की है। तमाम बयानबाजी के बावजूद चंपत राय के शांत रहने पर संतों ने उनके असीम धैर्य की प्रशंसा की है। संत समाज ने साफ किया है कि इस मुश्किल घड़ी में उनका आशीर्वाद और समर्थन चंपत राय के साथ है।

लड़की बनकर बात करता था सरगना पंकज यादव, दिल्ली में रहते हैं सभी आरोपी

यूपी के नोएडा में फ्रेंडशिप क्लब की आड़ में लोगों से लूटपाट करने वाले एक गिरोह के पांच ठगों को सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने अरेस्ट किया है। पकड़े गए लोगों में तीन युवतियां भी शामिल है। साथ ही एक किशोर को अभिरक्षा में लिया है। ये लोग सोशल मीडिया और ऑनलाइन फ्रेंडशिप क्लब के माध्यम से ग्राहक तलाशते थे। इन लोगों ने हाल ही में नोएडा में एक कारोबारी से फॉर्च्यूनर गाड़ी लूटी थी।

आरोपी पीड़ित को होटल ले जाने का झांसा देकर कार में बैठाते और लूटपाट कर फरार हो जाते। इनके कब्जे से नोएडा में लूटी गई फॉर्च्यूनर, दो अन्य कार और एक चाकू बरामद किया गया। इस गैंग के सरगना समेत तीन बदमाश फरार हैं। अडिशनल डीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि सेक्टर-54 स्थित खेलगांव पार्क के पास से आरोपियों ओमवीर यादव (फिरोजाबाद), मंजेश यादव (मैनपुरी), निधि यादव (औरैया), प्रियंका यादव (फिरोजाबाद) और काजल यादव (मैनपुरी) को पकड़ा गया है। ये लोग दिल्ली के न्यू अशोक नगर में किराये पर रहते थे। सरगना पंकज यादव ने निधि के माध्यम से अन्य लड़कियों को जोड़कर गिरोह बनाया। ये लोग फर्जी ऑनलाइन फ्रेंडशिप क्लब बनाकर वारदात को अंजाम देते। क्लब से जुड़ने के बाद कोई शख्स किसी लड़की से बात करने की इच्छा जाहिर करता था तो सरगना पंकज यादव बातचीत करता था। वह दिल्ली-एनसीआर में ग्राहकों से मिलते और उन्हें लूट लेते थे। आरोपियों ने लोगों को फंसाने के लिए एक वेबसाइट पर स्पा सेंटर का विज्ञापन डाला था। इसमे नंबर दिया गया था। हालांकि ये स्पा कहीं मौजूद नहीं था। जो लोग इनके नंबर पर कॉल करते उसे लड़कियों से अकेले मे मिलवाने की बात कहकर जाल में फंसाते थे।

नेपाल के लोगों ने बलरामपुर में लिया सरकारी योजनाओं का लाभ

यूपी के बलरामपुर में भारत-नेपाल दोनों देशों की सिटिजनशिप और पहचान से संबंधी कागजात रखने के आरोप में सीमावर्ती कोतवाली जरवा इलाके में 27 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक, आरोप है कि इन लोगों ने सरकारी योजनाओं का फायदा भी लिया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार के मुताबिक, जिलाधिकारी की तरफ से की गई शिकायत के बाद इस मामले की पड़ताल कराई गई थी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के लेटर के आधार पर की गई जांच रिपोर्ट के बाद यह एक्शन लिया गया है। पड़ताल में पाया गया कि नेपाल के डांग जिले के कोईलाबास इलाके के कुछ लोगों ने खुद को बलरामपुर के बालापुर, तुलसीपुर क्षेत्र और शीतलापुर रिजवान गली का दिखाकर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र समेत अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाए और सरकारी योजनाओं का फायदा उठाया। एसपी विकास कुमार ने आगे कहा कि जिन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है, उनके नाम भारत की वोटर लिस्ट के साथ-साथ नेपाल की वोटर लिस्ट में भी पाए गए हैं। पड़ताल के दौरान, यह भी सामने आया कि लिस्ट में शामिल अब्दुल रहमान पुत्र कल्लू अनवरडीह के गांव बालापुर में रहता नहीं है, जबकि अब्दुल अजीज सिद्दीकी की कुछ महीने पहले मौत हो चुकी है। इसके बावजूद उनके नाम कई अभिलेखों में दर्ज पाए गए, जिससे मामला और गंभीर हो गया है।

चढ़ावा चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तारी के बाद से जेल में बेहद डरे हुए

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी करने वाले सभी आरोपियों को अब अपनी करनी पर पछतावा हो रहा है। अयोध्या पुलिस के सूत्रों ने बताया कि सभी आरोपी गिरफ्तारी के बाद से जेल में बेहद डरे हुए हैं। सूत्रों ने बताया किसभी आरोपियों का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आया है। आरोपियों को इस तरह की चोरी की प्लानिंग करने का कोई तजुर्बा नहीं था। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि चोरी की प्लानिंग आखिर किस के कहने पर सभी ने शुरू की। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर किसके कहने पर चोरी करने पर शुरुआत हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अब तक पुलिस जांच में इस बात का खुलासा नही हो पा रहा है की आखिर चोरी कांड का सूत्रधार कौन है ये बड़ा सवाल है। अविनाश से पूछताछ के बाद अब पुलिस ज़रूरत के हिसाब से दूसरे आरोपियो की कस्टडी लेने के लिए अपनी तैयारी कर रही है।सूत्रों ने बताया कि अयोध्या पुलिस ने अभी तक गोपाल राव और अनिल मिश्रा के बयान दर्ज नहीं किए हैं। दो दिन बाद शनिवार को एसआईटी अनिल मिश्रा, गोपाल राव के स्टेटमेंट रिकार्ड करके और चंपत राय से पूछताछ के बाद वापस लखनऊ गई है। जल्द अयोध्या पुलिस अनिल मिश्रा, गोपाल राव के बयान दर्ज कर सकती है। चंपत राय और कृष्ण मोहन यादव के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। करीब 70 से 80 लोगों के बयान दर्ज होने बाकी है। अयोध्या मंदिर के ट्रस्ट और बाकी स्टाफ बैंक स्टाफ के बयान लगातार दर्ज किए जा रहे है। अगले वीक तक लगभग सभी के बयान दर्ज कर लिए जाएंगे। इनमें गोपाल राव और अनिल मिश्रा के बयान भी शामिल होंगे। काउंटिंग सेंटर की सीसीटीवी की निगरानी की जिम्मेदारी मंदिर ट्रस्ट की थी।